भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पटना में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का समापन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में **"राजभाषा, नियम अधिनियम एवं नीति"** एवं **"संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली पर मार्गदर्शन"** विषय पर दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का दिनांक 05.12.2022 एवं 06.12.2022 के दौरान आयोजन किया गया |

उक्त कार्यशाला में श्री मनोज कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने दोनों विषयों पर बहुत ही विस्तृत रूप से चर्चा की एवं उपस्थित कर्मियों के प्रश्नों का भी बहुत ही सरलता से उत्तर दिया | प्रथम दिन के कार्यशाला में संस्थान के निदेशक डॉ. आशुतोष उपाध्याय के साथ-साथ अतिथिगण के रूप में डॉ. पी.एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति महोदय, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा समस्तीपुर एवं डॉ. के. एन. सिंह, विभागाध्यक्ष, पूर्वानुमान एवं कृषि प्रणाली मॉडलिंग, भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित थे | कार्यशाला के सभी गणमान्य अधिकारियों ने कार्यक्रम के दौरान राजभाषा पर अपने-अपने विचार रखे | डॉ. उपाध्याय ने बताया कि हिंदी बहुत ही सरल और मृदुल भाषा है | इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए | हमें अपने दैनिक कार्य में इसका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए | डॉ. अनिल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने बताया कि संस्थान के सभी कर्मियों का यह दायित्व है कि वे राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन करे | श्री पुष्पनायक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत सभी दस्तावेजों के लिए हिंदी और अंग्रेजी - दोनों का प्रयोग किया जाना चाहिए और ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों का यह उत्तरदायित्व होगा कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि ऐसी दस्तावेजें हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही में तैयार की जाए |

दूसरे दिन की कार्यशाला का आयोजन केवल संस्थान के प्रशासनिक संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए किया गया, जिसमें संस्थान के प्रशासनिक अनुभाग, क्रय एवं भंडारण अनुभाग, खाता एवं लेखा अनुभाग एवं रोकड़ एवं विपत्र अनुभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे | उक्त दो दिवसीय कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. रजनी कुमारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पुष्पनायक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने दिया | कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. कीर्ति सौरभ, वैज्ञानिक; डॉ. धीरज कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक; श्रीमती प्रभा कुमारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी; श्री अनिल कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी; श्री संजय राजपूत, तकनीकी अधिकारी; श्री सतीश कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; श्री संजय

कुमार, तकनीकी सहायक; श्री सरफराज अहमद, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं श्री उमेश कुमार मिश्र, हिंदी अनुवादक की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही|